अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2021) दिनांक : 21.12.2021

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ इतिहास और दर्शन–70

प्र. 1 किन्हीं तेरह प्रश्नों का उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 13

(क) तेरापंथ के इतिहास को सुरक्षित व लिपिबद्ध करने का श्रेय किस-किसको जाता है?

(ख) 'चएज्ज देहं न हु धम्मसासणं' इसका अर्थ क्या है?

(ग) तेरापंथ के उद्‌भव काल में कितने तीर्थ थे?

(घ) आत्मा का स्वभाव और विकास प्रक्रिया क्या है?

(ङ) पुण्य की इच्छा करने से पुण्य का बन्ध नहीं होता किन्तु उसका बन्ध निरीह शुभ परिणाम से होता है? पुण्य के बारे में यह परिभाषा किसने दी?

(च) निक्षेप कितने और कौन-कौन से हैं?

(छ) सामूहित मनोबल की प्रथम कसौटी क्या है?

(ज) सायंकालीन गोचरी का प्रावधान कब व कहां से प्रारम्भ हुआ?

(झ) विशिष्ट ज्ञानी पुरुष किसे कहते हैं?

(ञ) 'अणुव्रत-वर्ष' की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या रही?

(ट) जयाचार्य ने सर्वप्रथम पट्‌टोत्सव कब व कहां मनाया?

(ठ) पटड़ी क्या है तथा इसका उपयोग क्या है?

(ड) आचार्य तुलसी ने राजस्थानी भाषा में कितने पद्य प्रमाण की रचना की?

(ढ) कौन से आचार्य ने आचार्य तुलसी से पूछा कि 'आपको नींद आ जाती है?'

(ण) दलबन्दी के लिए हमारा प्रसिद्ध सूत्र क्या है?

प्र. 2 किन्हीं छह प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 15

(क) राजस्थानी साहित्य निर्माता के रूप में किन सन्तों का नाम उल्लेखनीय है?

(ख) 'तासक छोटी' क्या है? लिखें।

(ग) पुण्य के विषय में अनुचिन्तनीय तथ्य कौन-कौन से हैं? लिखें।

(घ) 'दिल्ली चातुर्मास में राज्य-अधिकारियों ने खाद्य-समस्या को लेकर आचार्य तुलसी से कहा सप्ताह में एक दिन उपवास हो जाए तो समस्या हल हो सकती है' तब आचार्य तुलसी ने क्या कहा?

(ङ) संविभाग के विषय में जयाचार्य ने क्या लिखा?

(च) आचार्य की एक विशेषता है 'अधिकरण उत्पन्न न होने दें।' इसके लिए आचार्य के लिए करणीय क्या है? लिखें।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 12

(क) संघ पुरुष का स्वरूप क्या है? संक्षेप में लिखें।

(ख) आचार्य तुलसी ने 'युवा-दायित्व' का जो शब्द चित्र होनहार युवकों के सामने प्रस्तुत किया उसका वर्णन करें।

(ग) विभिन्न उद्धरणों से स्पष्ट करें कि संगठन का महत्वपूर्ण पक्ष है व्यवस्था पर ध्यान केन्द्रित करना।

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दें– 30

(क) मूर्तिपूजा और तेरापंथ विषय पर लेख लिखें।

(ख) तेरापंथ धर्मसंघ में अब तक अनेक आयोजन और वर्ष बनाए जा चुके हैं उनका विशद विवेचन करें।

(ग) स्पष्ट करें कि हम आचार्य भिक्षु के दान-दया के सिद्धान्त को लें, या आचार्य तुलसी के दान-दया के सिद्धान्त को लें, दोनों की आत्मा का प्रदेश एक ही है।

भिक्षु वाणी–30

प्र. 5 किन्हीं तीन पद्यों का सप्रसंग भावार्थ करें– 15

(क) हलू करमी.....टले असमाध।।

(ख) प्रतिबिंब ने.....पूर अग्यान।।

(ग) सूतर अर्थ.....तेह ए।।

(घ) अथिर वेग.....री माया।।

(ङ) विनीत तणा.....कानी थाय।।

प्र. 6 किन्हीं दो विषयों पर पद्य लिखें– 6

(क) मोह।

(ख) मूढ़।

(ग) राग।

(घ) संकीर्णता।

प्र. 7 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) मोटकां ने.....चारित निधान।

(ख) पहड़े सगाने.....जगनाथ रो।

(ग) जिम कोई.....विगाड़े।

(घ) कांदा ने.....लागे पास।

(ङ) गुर भगता.....तिण ठांम।